कार्यक्रम प्रतिवेदन प्रारूप
PROGRAMME REPORT PROFORMA

1. कार्यक्रम का शीर्षक Title of the Programme	हिंदी में परीक्षण, मूल्यांकन एवं प्रश्न-पद निर्माण पर छः दिवसीय प्रशिक्षण एवं कार्यशाला (हाईब्रिड मोड)
2. दिनांक/Date	04 -10 मार्च 2024 (3 दिन आमने सामने और 3 दिन प्रतीयमान)
3. स्थान/Place	जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान , मैसूर
4. प्रणाली/Mode	ऑन लाईन एवं ऑफ लाईन
5. प्रतिभागियों की संख्या Number of the participants a. विद्यालय के अध्यापक School Teachers b. शोधार्थी/ Research Scholars c. परास्नातक छात्र/Postgraduate Students कुल /Total	48 (प्रतिनियुक्त) 39 (उपस्थित) - - **39**
6. बाह्य विशेषज्ञों के नाम तथा पद Name and Designation of external subject experts	कोई नहीं
7. कार्यक्रम के दौरान किये गये विषयों पर चर्चा Topics covered during the discussion	(i) परीक्षण एवं मूल्यांकन की मूल अवधारणा (ii) शैक्षिक उद्देश्यों की वर्गिकी (iii) जीएफआर : भाषा पक्ष (स्व.रू. एवं वा. अर्थ) (iv) जीएफआर : साहित्य पक्ष (उ. समा. एवं वि.सौ.) (v) संप्रेषण एवं भाषा कौशल (vi) प्रश्न प्रकार : वस्तुनिष्ठ (vii)प्रश्न प्रकार : व्यक्तिनिष्ठ (viii) आयामी समस्याओं का परिचय (ix) आईएफसी का परिचय (x) प्रश्न-पद लेखन अभ्यास (ऑफलाईन) (xi) प्रश्न-पत्र पुनर्प्राप्ति का प्रदर्शन एवं हिंदी प्रश्न पद निविष्ट प्रणाली का परिचय
8. क्या कार्यक्रम से एनईपी-2020 के उद्देश्यों को पूरा करने में सहायता मिली? विवरण दें। Did the progrmme assist in fulfilling the objectives of NEP-2020? Provide Details.	हाँ,राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रमांक 4.34 के अनुसार- हमारी स्कूली शिक्षा प्रणाली की संस्कृति में आकलन के उद्देश्यों को योगात्मक जो मूलत: रटकर याद करने के कौशल को जाँचता है इससे हटकर नियमित रचनात्मक आकलन की ओर ले जाना है अधिक दक्षता पर आधारित होगा । आकलन का प्राथमिक उद्देश्य वास्तव में सीखने के लिए होगा । यह शिक्षक और विद्यार्थी और पूरी स्कूली शिक्षा प्रणाली को मदद करेगा। अत: यह शिक्षा के सभी स्तरों पर मूल्यांकन के लिए अनर्निहित होगा। इन तथ्यों का ध्यान इस प्रशिक्षण कार्यशाला में रखा गया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रमांक 5 .1 के अनसार शिक्षक राष्ट्र के भविष्य का भी निर्माण करते है । भारत में शिक्षक सबसे अधिक सम्मानित सदस्य है। अत: विद्यार्थियों को निर्धारित ज्ञान,कौशल और नैतिक मूल्य प्रदान करने में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। अतः इस प्रशिक्षण कार्यशाला में हमारे राष्ट्र के लिए सर्वोत्तम संभव भविष्य सुनिश्चित करने वाले शिक्षकों को शिक्षण कार्य में परीक्षण एवं मूल्यांकन की उपयोगिता पर बल दिया गया।
9. प्रश्न-पद निर्माण की संख्या No. of Question Item prepared	3275
10. क्या प्रतिभागियों को प्रशिक्षण सामग्री प्रदान की गई? विवरण दें। Was the training material provided to the participants? Provide Details.	हाँ, प्रशिक्षण सामग्री: परीक्षण एवं मूल्यांकन की मूलभूत अवधारणाएँ ,सामान्य संदर्भ संधार,आयामी समस्याओं का परिचय (भाषा एवं साहित्य) व्याख्यान के विषयानुसार पी.पी.टी प्रदान की गई।
11. अनुदेश का माध्यम Medium of Instruction	हिंदी

12. क्या कार्यक्रम की ब्रीफिंग मीडिया में प्रसारित की गई थी? विवरण दें। Was the briefing of the programme circulated in media? Provide details.	हाँ, कार्यक्रम की घोषणा एन.टी.एस-आई की अधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड की गई थी और फ़ेसबुक और वाटस्प जैसे सोशल मीडिया के माध्यम से साझा किया गया था। साथ ही उद्घाटन-सत्र, शैक्षणिक-सत्र और समापन समारोह की तस्वीरें एन.टी.एस-आई की वेबसाइट, फेसबुक और वाट्सअप पर अपलोड की गई। कार्यक्रम की उद्घाटन-सत्र की कार्यवाही को प्रेस विज्ञप्ति के रूप में प्रिंट मीडिया में समाचार रूप में प्रकाशित करने हेतु भेजा गया। प्रकाशित समाचार को साझा किया गया ।

13. कार्यक्रम का सारांश

Summary of the programme (Regional Language and English).

राष्ट्रीय परीक्षण सेवा-भारत द्वारा हिंदी में परीक्षण एवं मूल्यांकन तथा प्रश्न-पद निर्माण पर छः दिवसीय प्रशिक्षण एवं कार्यशाला (हाइब्रिड मोड) दिनांक 04 से 10 मार्च 2024 तक जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, मैसूर में आयोजित किया गया। इस कार्यशाला में उद्घाटन सत्र के अध्यक्ष जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, मैसूर के प्राचार्य श्री नागराजय्य उपस्थित थे। प्रो.पी. आर. धर्मेष फर्नांडीश, उप-निदेशक, भारतीय भाषा संस्थान ने बीज भाषण दिया। अपने बीज भाषण में उन्होंने परीक्षण एवं मूल्यांकन उपयोगिता के बारें में चर्चा की। डॉ. पंकज द्विवेदी, प्रभारी पदाधिकारी ने अपने संबोधन में परीक्षण मूल्यांकन एवं प्रश्न पद निर्माण की यांत्रिकी पर विशेष बल दिया। उन्होंने अपने व्याख्यान में कहा कि छात्रों के सर्वांगीण विकास में शिक्षण,परीक्षण एवं मूल्यांकन की विशेष महत्ता है । उद्घाटन- सत्र के अंत में समारोह के अध्यक्ष प्राचार्य श्री नागराजय्य ने इस प्रशिक्षण कार्यशाला में सभी का स्वागत एवं अभिनंदन किया। उन्होंने अपने व्याख्यान में कहा कि परीक्षण ,मूल्यांकन शिक्षण का केंद्र विंदु है। अतः यह कार्यशाला आप सभी के लिए एक दिशा निर्देश प्रदान करेगी। आप लोग प्रश्न बनाने की कला को भली भांति सीख पाएंगे। कार्यशाला के समापन में अनेक प्रतिभागियों ने इस प्रशिक्षण कार्यशाला के संबंध में अपने-अपने अनुभव को साझा किया।

14. टिप्पणियाँ/Remarks	:	संपूर्ण दृष्टिकोण से कार्यक्रम अच्छा रहा ।

- SD -

संयोजक का नाम एवं हस्ताक्षर

Name & Signature of the Coordinator